

## राग : भुपाली

राग माहिती

वादी स्वर      “ग” गांधार

संवादी स्वर      धैवत 'ध'

वर्जित स्वर      मध्यम तथा निषाद 'म' तथा 'नि'

जाति      ओडव - ओडव

गायन समय      रात्रिका प्रथम प्रहर

विकृत स्वर      सभी स्वर शुद्ध हें ।

आरोह	सा	रे	घ	प	ध	सां
अवरोह	सां	ध	प	ग	रे	सा
पकड	सारेग	पग	धपग	रेगरेसा		



## स्वरमालिका (राग भुपाली)

## स्थाइ

## तालः तीनतालः

**ताल** : तोनताल

## स्थाइ

## झांझ मंदरवा बाजे मोरा, बाजे हिंडोल मोरा

सब जन गावत रास मंदलरा, नाचत खेलत संग कनैया , आनंद करे सब लोगवा मोरा